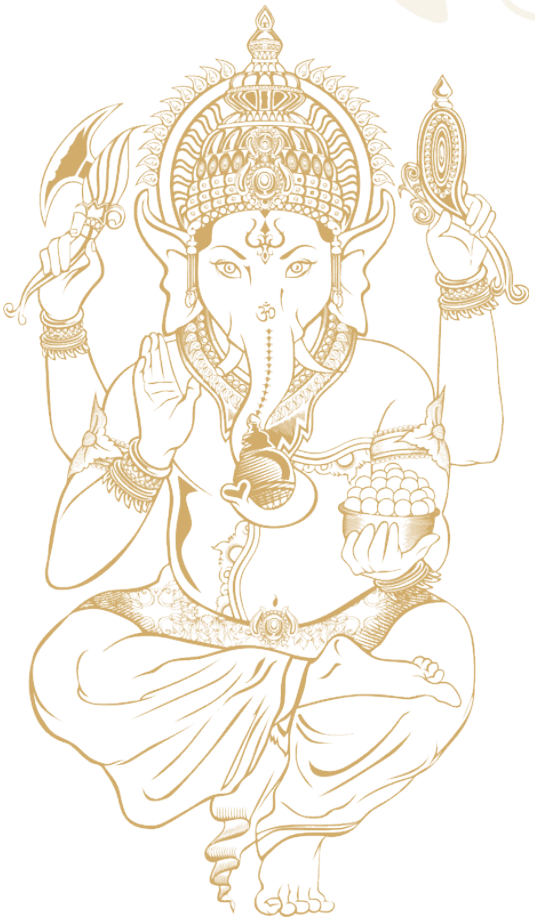

Yash

Priyanka

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121042602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/07/1998	जन्म तिथि	22-23/12/1996
मंगलवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 15:29:00	जन्म समय	04:46:00 घंटे
घटी 24:46:54	जन्म समय(घटी)	53:58:41 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Alwar
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:14	सूर्योदय	07:10:31
19:22:40	सूर्यास्त	17:34:19
23:50:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:54

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 5मा 5दि		29:53:09	तुला	लग्न	वृश्चि	04:55:09	चन्द्र 5वर्ष 8मा 3दि	
शुक्र		21:15:51	मिथु	सूर्य	धनु	07:35:32	राहु	
11/12/2012		24:10:17	वृश्चि	चंद्र	वृष	15:45:50	27/08/2009	
11/12/2032		06:52:11	मिथु	मंगल	कन्या	02:10:18	27/08/2027	
शुक्र	12/04/2016	15:48:29	कर्क	बुध	धनु	25:20:41	राहु	09/05/2012
सूर्य	12/04/2017	04:02:28	मीन	गुरु	धनु	29:17:18	गुरु	03/10/2014
चन्द्र	12/12/2018	21:30:46	वृष	शुक्र	वृश्चि	13:20:41	शनि	09/08/2017
मंगल	11/02/2020	08:29:07	मेष	शनि	मीन	07:08:10	बुध	26/02/2020
राहु	11/02/2023	08:39:08	सिंह व	राहु व	कन्या	10:01:31	केतु	16/03/2021
गुरु	12/10/2025	08:39:08	कुंभ व	केतु व	मीन	10:01:31	शुक्र	15/03/2024
शनि	11/12/2028	17:57:11	मक व	हर्ष	मक	08:58:08	सूर्य	07/02/2025
बुध	12/10/2031	07:22:31	मक व	नेप	मक	02:41:19	चन्द्र	09/08/2026
केतु	11/12/2032	11:52:15	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	10:15:21	मंगल	27/08/2027

लग्न-चलित

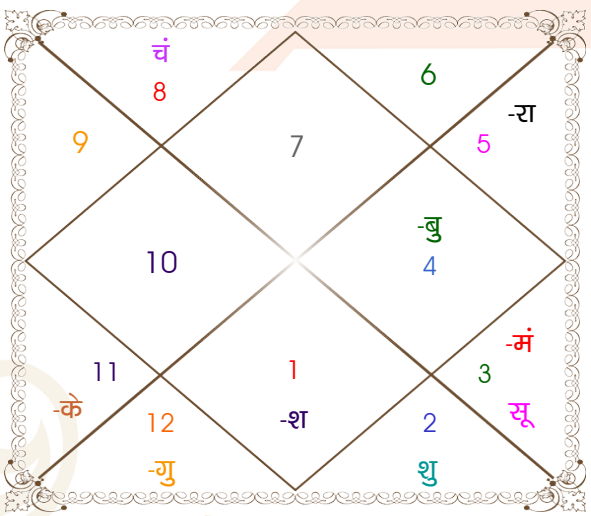

लग्न-चलित

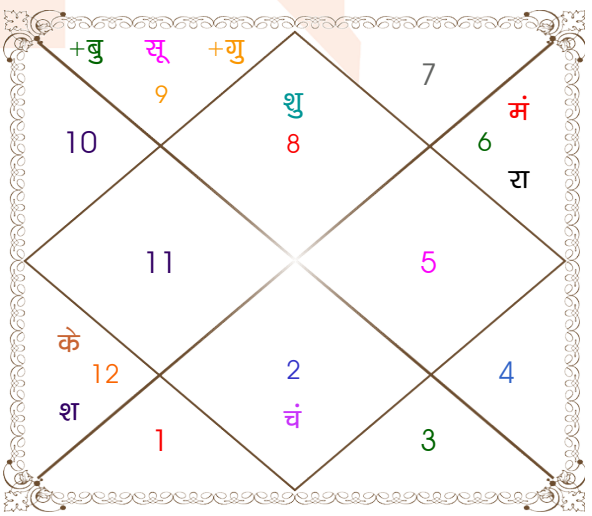

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

लैे का वर्ग मृग है तथा च्तपलंदां का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लैे और च्तपलंदां का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

लैे मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

च्तपलंदां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

लैे तथा च्तपलंदां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।